केवल मेडिकल व्यवसायियों के लिए

सभी देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg | Monthly News Paper | www.medicaldarpan.com

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885

Year 18 | Issue 07 | DOP 10 MARCH 2025 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

Glenmark Pharmaceuticals recalled the drug from the US market

Mumbai: As per the news received Pharma company Glenmark Pharmaceuticals has recalled its drugs from the US market. The company has recalled about 1.5 million bottles of generic medicine used in the treatment of Attention Deficit Hyperactivity Disorder.

The US FDA has given this information.Glenmark Pharmaceuticals USA is recalling about 14.76 lakh (1.47 million) bottles of atomoxetine capsules in multiple strengths. The US Food and Drug Administration (FDA) said in its latest report thatThe pharma has recalled the affected lot due to.This recall has been done due to the presence of N-nitroso atomoxetine impurity in excess of the FDA recommended limit. It was told that New Jersey based Glenmark Pharmaceuticals Inc., USA is recalling the drug made in India in quantities ranging from 10 mg to 100 mg.

झोलाछाप डॉक्टर ने लगाया इंजेक्शन, मौत

सिरोही: गलत इंजेक्शन लगाने से बालिका की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। इसके चलते आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया और क्लीनिक को सीज कर दिया है। सरूपगंज काछोली निवासी नरपत सिंह ने शिकायत में बताया कि उसकी बेटी जाह्नवी (आठ वर्ष) को सर्दी-जुकाम हो गया था। इस पर वह उसे गांव में प्रैक्टिस कर रहे मंसूरअली के पास लेकर गया। जाह्नवी को इंजेक्शन लगाते ही जाह्नवी की तबियत बिगड़ गई। जैसे ही वह खड़ी हुई, उसे उल्टी हो गई। देखते ही देखते जाह्नवी के होंठ काले हो गए और थोड़ी देर में मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक बालिका के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। यह मामला सामने आने के बाद सीएमएचओ डॉ. दिनेश खराड़ी ने सभी बीसीएमओ को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध तरीके से प्रैक्टिस कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं।

ASIA LABEX to take place from March 20 - 22 at Chandigarh

Mumbai: As per news received ASIA LABEX, premier platform for the laboratory industry in Asia, and LABOTICA summit that showcases the latest technologies, innovations, and products in the laboratory industry will be taking place from March 20 -22 at Parade Ground, Sector 17, Chandigarh.

The main features of the expo include exhibition, conference, networking, product demonstrations and knowledge sharing. The exhibition features more than 150 exhibitors showcasing more than 5,000 products from industries like pharma, research, food & beverages, dairy and education. More than 5,000 visitors, including industryprofessionals, esearchers, and decision-makers are expected at the expo. The conference includes a comprehensive summit with expert discussions, keynote speeches, and panel discussions on the latest trends and challenges in the laboratory industry. The expo provides networking opportunities to connect with more than 4,000 visitors, including industryprofessionals, esearchers, and decision-makers. Product demonstrations include live demonstrations of latest laboratory equipment, technologies, and innovations.

Moreover the expo provides access to technical workshops, training sessions, and seminars on various laboratory techniques and applications.

प्राइवेट अस्पताल में सेवाएं देने वाले तीन सरकारी डॉक्टर रडार पर

संतकबीरनगर (उत्तरप्रदेश): प्राइवेट अस्पताल में सेवाएं देने वाले तीन सरकारी डॉक्टर रडार पर आ गए हैं। मामला संतकबीरनगर में जिला अस्पताल में तैनात तीन चिकित्सक समेत चार अन्य कर्मियों का है। आरोप है कि ये निजी अस्पताल में भी सेवाएं देते हैं। एलआईयू टीम ने आरोपी कर्मियों पर शहर के विवेकानंद हॉस्पिटल पर प्रैक्टिस करने की रिपोर्ट सौंपी है। पुलिस विभाग की गुप्तचर टीम ने इन कर्मियों के नाम जिला सतर्कता समिति को उपलब्ध करा दिए हैं। टीम अब इन्हें नोटिस देने की तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि सरकारी चिकित्सकों के निजी अस्पतालों में प्रैक्टिस करने का मामला प्रशासन के संज्ञान में आता रहता है। इस मामले को संज्ञान में लेकर उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि जिले में जिला सतर्कता निगरानी समिति का गठन किया जाय। इसमें डीएम के अलावा सीएमओ व एलआईयू विभाग शामिल रहेगा।

Pharma News March 2025_Layout 2 3/11/2025 9:23 AM Page 2

मेडिकल बिल पास करने के बदले 10 हजार रिश्वत लेता क्लर्क गिरफ्तार

बुरहानपुर (मध्य प्रदेश): मेडिकल बिल पास करने के बदले 10 हजार रिश्वत लेता क्लर्क रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। यह कार्यवाही इंदौर लोकायुक्त ने बुरहानपुर जिला चिकित्सालय में की। टीम ने लिपिक राधेश्याम चौहान को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए उसी के केबिन में रंगे हाथों पकड़ा है। जानकारी अनुसार लिपिक ने जिला अस्पताल में अपने साथी पूर्व सदस्य सहायक ग्रेड 3 कर्मचारी अशोक पठारे से मेडिकल बिल पास करने के लिए 20 हजार की रिश्वत मांगी थी। इसके बाद मामला 15000 में सेट हो गया। वादे के मुताबिक अशोक पठारे ने 5000 पहले भी दिए थे। इसके बाद अशोक पठारे ने इसकी शिकायत लोकायुक्त टीम इंदौर से की थी। पीड़ित की शिकायत पर इंदौर लोकायुक्त की टीम बुरहानपुर पहुंची और आरोपी को उसी के केबिन में 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। लोकायुक्त इंदौर इंस्पेक्टर राहुल गजभिये ने बताया कि लिपिक राधेश्याम चौहान ने सहायक ग्रेड तीन कर्मचारी अशोक पठारे से उसके मेडिकल बिल पास करने के लिए 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत मिलने पर एसपी ने एक टीम का गठन किया। टीम को तुरंत बुरहानपुर जिला चिकित्सालय रवाना किया गया। आरोपी राधेश्याम चौहान ने जैसे ही फरियादी से अपने केबिन में रिश्वत के पैसे लिए, वैसे ही लोकायुक्त की टीम ने तुरंत आरोपी बाबू को पकड़ लिया। यहां से उसे लेकर बुरहानपुर के सर्किट हाउस में पहुंचे। शिकायतकर्ता अशोक पठारे ने बताया कि वह बुरहानपुर जिला अस्पताल में पदस्थ है। लेकिन निलंबित होने के कारण उन्हें विभाग ने अलीराजपुर में अटैच कर रखा है। मेरे हार्ट का ऑपरेशन होने पर इंदौर चला गया था। इलाज के करीब पौने दो लाख रुपये के बिल थे। इसमें 1.33 लाख के बिल क्लियर हो गए थे। लेकिन बाकी राशि के लिए पहले कहा कि बजट नहीं है।

पेनकिलर इबूप्रोफेन दवा का इस्तेमाल करने से पहले हो जाएं अलर्ट

नई दिल्ली: पेनकिलर इबूप्रोफेन दवा का इस्तेमाल करने से पहले सावधान हो जाएं। नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस)ने इस दवा के इस्तेमाल को लेकर एक चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी की जारी: बता दें कि इबूप्रोफेन एक आम दर्द निवारक दवा है और इसका इस्तेमाल दर्द, सूजन और बुखार कम करने के लिए किया जाता है। कुछ लोग इसे सिरदर्द, मांसपेशियों के दर्द, गठिया, और मासिक धर्म के दर्द में भी लेते हैं। लेकिन, इबूप्रोफेन हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं है। एनएचएस का कहना है कि इबूप्रोफेन सभी के लिए सुरक्षित नहीं है। खासतौर पर एलर्जी या पहले से मौजूद बीमारियों वाले लोगों को इससे नुकसान हो सकता है। अगर इस दवा को लेने पर कोई असामान्य लक्षण दिखाई दें, तो इसे तुरंत बंद कर दें।

इबूप्रोफेन के इस्तेमाल में सावधानियां: **1.** पेट में अल्सर या गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग (पेट से खून आना) वाले लोगों के लिए यह खतरनाक हो सकता है। **2.** हार्ट फेल्योर, लिवर या किडनी की समस्या वाले लोगों को इसे नहीं लेना चाहिए।

3. क्रोहन डिजीज या अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले लोगों को इससे बचना चाहिए।

जीएसवीएम में जल्द ही केंद्रीकृत डायग्नोस्टिक सुविधा उपलब्ध होगी

कानपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार लाला लाजपत राय (एलएलआर) अस्पताल परिसर में आपातकालीन विभाग के सामने गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल (जीएसवीएम) मेडिकल कॉलेज की नई बिल्डिंग में जल्द ही एक केंद्रीकृत डायग्नोस्टिक सुविधा स्थापित की जाएगी। इस डायग्नोस्टिक सुविधा के निर्माण के लिए एलएलआर अस्पताल में मौजूदा शेल्टर को हटाया जाएगा। इस परियोजना को 7.22 करोड़ रुपये के वित्तीय आवंटन के साथ प्राधिकरण भी मिल गया है। वर्तमान में, एलएलआर अस्पताल के मरीजों को एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एमआरआई के लिए अलग-अलग इमारतों में जाना पड़ता है और रक्त विश्लेषण के लिए अपने नमूने पैथोलॉजी विभाग को भेजने पड़ते हैं।

इसके अलावा, उन्हें सरकारी परीक्षण शुल्क का भुगतान करने के लिए एक अलग कमरे में जाना पड़ता है। एलएलआर इमरजेंसी के सामने स्थित नए डायग्नोस्टिक हब के साथ, सभी परीक्षण सेवाएं एक ही स्थान पर समेकित होंगी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर संजय काला ने बताया कि नियोजित तीन मंजिला डायग्नोस्टिक सेंटर राज्य में अनूठा होगा, जो एक ही छत के नीचे व्यापक परीक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा। डॉ. काला ने कहा, यह सुविधा एलएलआर आपातकालीन क्षेत्र के सामने स्थित मौजूदा आश्रय की जगह लेगी। निर्माण प्रक्रिया मौजूदा आश्रय को ध्वस्त करने के साथ शुरू होगी। 7.22 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना की समय सीमा 31 मार्च, 2027 तय की गई है। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने इस विकास के लिए जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के साथ एक औपचारिक समझौता किया है। लाला लाजपत राय (एलएलआर) अस्पताल परिसर में आपातकालीन विभाग के सामने गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल (जीएसवीएम) मेडिकल कॉलेज की नई बिल्डिंग में जल्द ही एक केंद्रीकृत डायग्नोस्टिक सुविधा स्थापित की जाएगी।

दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

रायपुर (छत्तीसगढ़): कफ सिरप की तस्करी में दो अंतरराज्यीय नशा तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना टिकरापारा क्षेत्रांतर्गत भाठागांव स्थित नया बस स्टैण्ड पास कुछ व्यक्ति अपने पास प्रतिबंधित नशीली सीरप रखे हुए हैं और कहीं जाने की फिराक में हैं। सूचना के तहत एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। संदेह के आधार पर दो लोगों को पकड़ा।

मेडिसिन रेट को लेकर दो मेडिकल स्टोर संचालकों में मारपीट

दिबियापुर (औरैया): प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिसिन रेट को लेकर दो मेडिकल स्टोर संचालकों में मारपीट हो जाने का मामला सामने आया है। बताया गया कि फफूंद चौराहे पर दो मेडिकल स्टोर संचालक आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच दवा के दाम पूछने की बात को लेकर विवाद हुआ। मारपीट में पुलिस ने डॉक्टरी परीक्षण के लिए दोनों को सीएचसी में भेजा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बाबू दयाराम नगर के सभासद श्रीफार्मेसी के संचालक अभय प्रजापति ने बताया कि सुबह वह दुकान पर नहीं थे। दुकान पर एक कर्मचारी था। एक ग्राहक ने दूसरे मेडिकल सेंटर से खरीदी गई दवा के रेट पूछे तो कर्मचारी ने उसे रेट बता दिए। इसके बाद ग्राहक ने जिस मेडिकल स्टोर से दवा ली थी, वह वहां पहुंचा और जानकारी ली। इस पर मेडिकल संचालक उनके कर्मचारी से बहस करने लगा। कर्मचारी ने फोन कर अपने दुकान संचालक को मौके पर बुलाया। इसी बीच उन दोनों में कहासुनी हो गई। अभय ने दूसरे मेडिकल संचालक पर अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दे दी। उधर, फफूंद चौराहा निवासी दूसरे मेडिकल स्टोर संचालक रवि दुबे ने भी पुलिस में शिकायत दे दी है। शिकायत में अभद्रता कर मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों की सीएचसी में चिकित्सीय जांच करवाई। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों में मारपीट का मामला सामने आया है और इसकी जांच की जा रही है।

जागरूकता से अंगदान को मिलता है बढ़ावा

लखनऊ: ब्रेन डेड मरीजों के अंगदान से कई लोगों की जान बच सकती है, लेकिन इस नेक काम को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता और पारिवारिक परामर्श बहुत जरूरी है। यह बात शनिवार को आरएमएलआईएमएस में एक कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने कही। केजीएमयू के सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो अभिजीत चंद्रा ने कहा कि एक ब्रेन डेड मरीज अंगदान के जरिए आठ लोगों की जान बचा सकता है या सुधार सकता है और ऊतक दान के जरिए कई और लोगों की जिंदगी संवार सकता है। आरएमएलआईएमएस में नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो अभिलाष चंद्रा ने कहा कि प्रदेश में अंगदान की दर बहुत कम है, जबकि किडनी, लिवर और अन्य अंगों की जरूरत वाले कई मरीज जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। आरएमएलआईएमएस के निदेशक प्रोफेसर सीएम सिंह ने कहा कि अंगदान को बढ़ावा देने के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम जरूरी हैं।

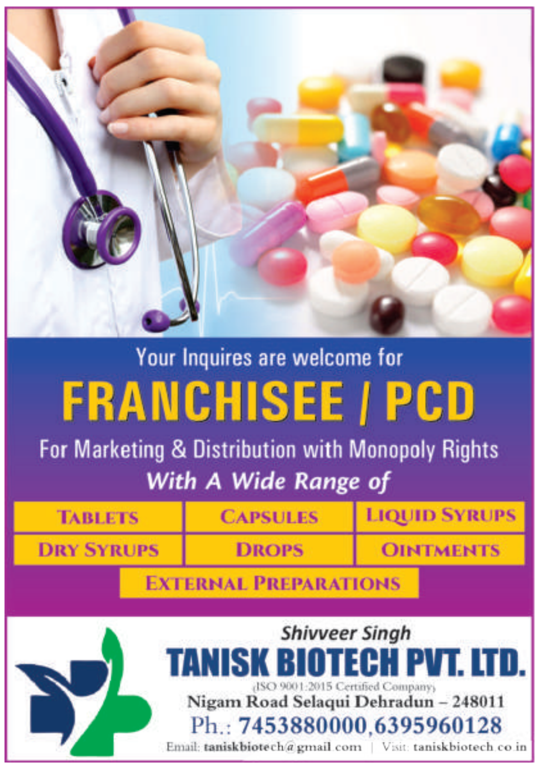

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" –चाणक्य

निजी अस्पतालों में दवा की दुकानों द्वारा मरीजों को ठगे जाने से बचाने के लिए राज्यों द्वारा नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने मरीजों और उनके तीमारदारों को धोखा दिए जाने और अनुचित लाभ उठाने से बचाने के लिए उचित नीतिगत निर्णय लेने का काम राज्यों पर छोड़ दिया। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि मरीजों को निजी अस्पतालों में संचालित फार्मेसियों से अधिक कीमत पर दवाइयां और चिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि उसके द्वारा दिया गया कोई भी अनिवार्य निर्देश निजी अस्पतालों के कामकाज में बाधा उत्पन्न कर सकता है और इसका व्यापक प्रभाव हो सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने विधि छात्र सिद्धार्थ डालमिया और उनके अधिवक्ता पिता विजय पाल डालमिया द्वारा दायर जनहित याचिका का निपटारा किया। इस जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि निजी अस्पताल मरीजों और उनके तीमारदारों को इन–हाउस फार्मेसियों या उन फार्मेसियों से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर करते हैं जिनके साथ उनका सहयोग है और उनसे दवाओं, प्रत्यारोपण और चिकित्सा उपकरणों के लिए अधिक कीमत वसूली जाती है। पीठ ने कहा, हम इस याचिका का निपटारा करते हुए सभी राज्य सरकारों को निर्देश देते हैं कि वे इस मुद्दे पर विचार करें और उचित नीतिगत निर्णय लें, जैसा वे उचित समझें। पीठ ने कहा कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए राज्य सरकारें अपनी स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रासंगिक विनियामक उपाय कर सकती हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि यह मुद्दा नीति के दायरे में आता है, नीति निर्माताओं को इस मामले पर समग्र दृष्टिकोण रखना चाहिए और उचित दिशा–निर्देश तैयार करने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मरीजों और उनके तीमारदारों का शोषण न हो और साथ ही, निजी संस्थाओं को स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रवेश करने से हतोत्साहित न किया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि निजी अस्पतालों को जनहित याचिका पर कोई अनिवार्य निर्देश जारी करना उचित नहीं होगा, लेकिन निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों और उनके तीमारदारों की स्थिति का अनुचित लाभ उठाकर उनका शोषण करने की कथित समस्या के बारे में राज्य सरकारों को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

Government should decide on the price of medicines in private hospitals: SC

New Delhi. The government should take a decision on the price of medicines in private hospitals. This instruction was given by the Supreme Court on a petition regarding the high prices of medicines and medical equipment in shops located in private hospitals. The court left the task of taking appropriate policy decisions to the government. It is worth noting that in a PIL, it was alleged that patients are forced to buy medicines and medical equipment at high prices from the shops opened in private hospitals. The court said that any direction given by it would create obstacles in the functioning of private hospitals and it could have a wide impact. A bench of Justice Suryakant and Justice N Kotishwar Singh disposed of the PIL filed by law student Siddharth Dalmia and his lawyer father Vijay Pal Dalmia. The petition alleged that private hospitals force patients and their attendants to buy medicines from the medicine shops located in the campus or the medicine shops associated with them. At the same time, high prices are charged from them for medicines and medical equipment.

सेनोरेस फार्मा ने डॉ रेड्डीज से 14 एएनडीए हासिल किए

अहमदाबाद: सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स ने डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और इसके लागू सहयोगियों से 14 संक्षिप्त नई दवा आवेदनों (एएनडीए) की एक टोकरी हासिल की है। अधिग्रहित टोकरी में 13 एएनडीए शामिल हैं, जिन्हें यूएसएफडीए द्वारा अनुमोदित किया गया है और शेष एक दवा नियामक से अनुमोदन के लिए लंबित है। अधिग्रहण को एसपीएल द्वारा जुटाई गई प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आय के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। यह रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में बताए गए आईपीओ के उद्देश्यों के अनुरूप है। अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक स्वप्निल शाह ने कहा: हमें डॉ. रेड्डीज से उत्पादों की एक टोकरी के अधिग्रहण की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह बढ़ती खपत के साथ विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों में फैला हुआ है।

रुड़की केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न

दिनांक 9 मार्च को रुड़की के कन्हैया बैंकट हॉल में रुड़की केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की कार्यकारिणी का चुनाव पर्यवेक्षक अजय गर्ग एवं हरिद्वार के महामंत्री अनिल अरोड़ा जी की देखरेख में संपन्न हुआ. इस अवसर पर जिला हरिद्वार की कार्यकारिणी के पदाधिकारी श्री संजय गोयल जी भी उपस्थित रहे. इस चुनाव में संदीप शर्मा एक बार फिर अध्यक्ष पद पर, श्री अवनीश शर्मा जी एक बार फिर महामंत्री पद पर, श्री शुभम गोयल जी उपाध्यक्ष पद पर और श्री अनुज शर्मा जी संगठन मंत्री पद पर विजयी रहे, इस चुनाव में श्री गौरव कुमार आजाद को कोषाध्यक्ष पद पर पहले ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया था.

चुनाव अधिकारी श्री संजीव आहूजा जी ने चुनाव परिणाम से अवगत कराया और निर्वाचित पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी. मेडिकल दर्पण मीडिया हाउस की तरफ से नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को अनंत मंगल शुभकामनाएं.

अभय सिंघल मो. 9319980483

Pharma News March 2025_Layout 2 3/11/2025 9:23 AM Page 4

क्षणिकाएं

1. साधारण,
रह पाओ।
असाधारण,
कर जाओ।
2. मोबाइल को,
अवश्य अपनाओ।
पर उसको कतई,
लत ना बनाओ।
3. असम्भव,
सोच पाओ।
सम्भव,
कर दिखाओ।
4. एक पेड़,
को काटा।
अपना एक,
अंग काटा।
5. इनका सत्य,
उन की मिथ्या।
उन का सत्य,
इनकी मिथ्या।
6. आज का रोगी,
स्वयं ही समझाए।
डॉक्टर चुपचाप,
पर्चा बनाए।

डॉ. नरेन्द्र नाथ लाहा.
ग्वालियर (म०प्र०)
मो०: 9826611169

इस माह ओटीसी दवाओं की सूची हो सकती है जारी

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार भारत को इस महीने ऐसी दवाओं की सूची मिलने की संभावना है जो डॉक्टर के पर्चे वाली दवा से ओवर द काउंटर (ओटीसी) बन जाएंगी। ओटीसी उप-समिति के अध्यक्ष डॉ. अनुपम प्रकाश ने ईटी को बताया कि इस पर विचार करने के लिए गठित उप समिति जल्द ही रिपोर्ट सौंप सकती है। ओटीसी दवाओं की सूची सामान्य दुकानों में भी उपलब्ध होगी। डॉ. अनुपम प्रकाश ने दवाओं के नाम बताए बिना कहा, समिति सक्रिय रूप से काम कर रही है और हम जल्द ही इसे अंतिम रूप देंगे। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों के स्वास्थ्य से समझौता न हो और इसलिए केवल कुछ दवाएं जो आम तौर पर इस्तेमाल की जाती हैं, ओटीसी की श्रेणी में आ सकती हैं। उन्होंने कहा, हमें उत्पादों की नहीं, बल्कि आम जनता की चिंता है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही इसे भारत की दवाओं पर सर्वोच्च संस्था ड्रग्स टेक्निकल अथॉरिटी बोर्ड (DTAB) को सौंप दिया जाएगा।

भारत के दवा नियामक को पहले कई कंपनियों से प्रतिनिधित्व मिला था, जिसमें आग्रह किया गया था कि कुछ खास फॉर्मूलेशन को OTC के रूप में बेचने की अनुमति दी जाए। चेयरमैन ने कहा कि समिति ने OTC उत्पादों से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए विभिन्न लॉबी समूहों, गैर सरकारी संगठनों और दवा कंपनियों के साथ बैठकें की हैं। अमेरिका, ब्रिटेन या चीन जैसे अन्य देशों के विपरीत, भारत में OTC दवाओं के वितरण, विपणन और खपत का समर्थन और विनियमन करने के लिए कोई नीतिगत ढांचा नहीं है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि खांसी और जुकाम के लिए आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाएँ और गर्भनिरोधक काउंटर पर बेचे जाते हैं। न तो औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और न ही औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 (D&C) OTC दवाओं को परिभाषित करता है।

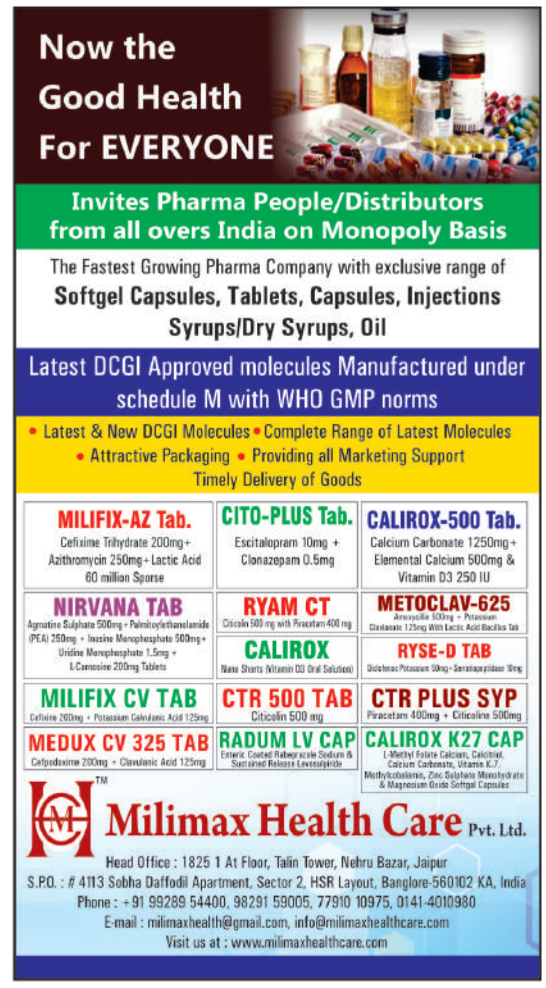

नापतौल, परीक्षण, नियंत्रण और मानकों की सम्पूर्ण जानकारी

पहले नाप-तोल की इकाई के संबंध में कई प्रणालियां प्रचलन में थीं, भारत सरकार ने सरलता व एक रूपता के लिए सन् 1958 में मैट्रिक प्रणाली लागू की थी। जिसके अंतर्गत उदाहरणतः- वजन की इकाई, किला. ग्राम, क्षमता माप की इकाई लीटर व लम्बाई की इकाई मीटर आदि लागू की गई। अब पाव, सेर, औंस, पौण्ड, तोला, माशा, गज आदि अवैध प्रणाली है। अब बाजार में 250 ग्राम का सिंगल बाट अथवा 250 मिली का सिंगल दूध माप उपलब्ध नहीं है। अतः उपभोक्ता ध्यान रखे कि पाव के स्थान पर 200 ग्राम अथवा 200 मिली की मात्रा की वस्तु व्यापारी द्वारा तो नहीं बेची जा रही है। प्रत्येक बाट-माप का प्रतिवर्ष विभाग द्वारा सत्यापन कर मोहर लगाई जाती है।

डा प्रणय तिवारी

उदाहरणार्थ बाट पर मोहर का विवरण बाट के पीछे दर्शाए अनुसार होता है। अतः खरीददारी करते समय ध्यान दें कि कई बार बाट के पीछे से सीसा निकाल दिया जाता है। जिससे वजन कम हो जाता है। यह देखें कि तराजू के केन्द्र की सुई (काँटा) दोनों ओर बिना अवरोध के चल रहा है या नहीं। सुई तराजू के केन्द्र में बिना किसी अवरोध के घूमनी चाहिए। लकड़ी की डंडी वाली तराजू अवैध है। इस तराजू को हाथ से दबा कर धोखा किया जा सकता है।

आटा चक्की पर अनाज पीसते समय तोल कर अनाज दें तथा वापस आटा तोल कर लें और यह देखें कि पलड़े फर्श से उचित दूरी पर है या नहीं तथा पलड़ो के हुक में नकली हुक या खांचे किए हुए तो नहीं तथा देखें कि पलड़ों के नीचे कहीं चुम्बक तो नहीं लगा है। वस्तु के वजन में पैकिंग मैटेरियल का वजन शामिल नहीं होना चाहिए। इसके लिए कृपया ध्यान रखें कि काउंटर मशीन पर मिठाई तुलवाते समय खाली डिब्बे बाट वाले पलड़े में रखवाएं तथा इलेक्ट्रॉनिक बैलेन्स पर तुलवाते समय खाली डिब्बे का वजन पहले करा लें व उसे मिठाई के साथ जुड़वा लें।

पेट्रोल पम्प कुकिंग गैस: कुकिंग गैस घरेलू सिलैण्डर खरीदते वजन चैक कर लें। इसके लिए डिलीवरी मैन से तौलने का उपकरण, जो निरीक्षक, विधिक माप विज्ञान द्वारा सत्यापित हो, को मांग कर तुलवा कर संतुष्टि कर लें, आस-पास उपलब्ध कांटे पर तुलवा सकते हैं। बेहतर होगा कि अपने घर पर भी एक छोटा स्प्रिंग बैलेंस रखे। गैस का शुद्ध वजन 14.2 किलोग्राम होता है तथा खाली सिलैण्डर का वजन (टेयरवेट) प्रत्येक सिलैण्डर पर अंकित होता है। इस तरल गैस का शुद्ध वजन व सिलैण्डर का टेयरवट दोनों जुड़ कर सिलैण्डर का कुल वजन के बराबर होना चाहिए।

पेट्रोल पम्प पर एक मापने का यंत्र होता है। जिसका विभाग द्वारा वार्षिक कैलिब्रेशन किया जाता है। पेट्रोल/डीजल वितरण हेतु वर्तमान में मैकेनिकल व इलेक्ट्रॉनिक मशीनें लगी हुई है। इन मशीनों से पेट्रोल लेते समय रीडिंग को शून्य कराये। लूज ऑइल लेते समय जल्दबाजी में ऑइल टंकी में न डलवाएं। ऑइल को माप में रखवा कर पेट्रोल डलवाएं ताकि ऑइल की पूर्ण मात्रा प्राप्त हो सके।

कपड़ा खरीदते समय सत्यापित मीटर से ही कपड़ा नाप कर खरीदें। कभी-कभी कुछ निर्माताओं द्वारा कपड़े के थान में 98 सेमी को ही मीटर मानकर बिना नाप के विक्रय किए जाने की संभावना हो सकती है। अतः इस प्रथा का बहिष्कार करें। फल खरीदते समय ध्यान दें कि काउंटर मशीन समतल आधार पर रखा हो तथा वस्तु पलड़े की तरफ कहीं चुम्बक तो नहीं लगा है। फल विक्रेता यदि झटके के साथ तोलता है तो उसे टोकें व तसल्ली से तुलवाना चाहिए। साथ में देखें बाट के छेद से सीसा तो नहीं निकाला हुआ है। काउंटर मशीन की धुरी नाईफ पर ही होनी चाहिए। संशय की स्थिति में बाट के स्थान पर सामान को बदलवा कर तौल कर सकतें हैं। केरोसीन या दूध खरीदते समय यह देखें कि केरोसीन माप या दूध माप का पेंदा नीचे से अंदर की तरफ दबाया हुआ तो नहीं है तथा देखें कि द्रव के साथ झाग तो नहीं भर दिए हैं।

वीनस रेमेडीज को फिलीपींस में सुगमाडेक्स के विपणन की मंजूरी मिली

नई दिल्ली: वीनस रेमेडीज ने कहा कि उसे फिलीपींस के अधिकारियों से न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेड को उलटने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा के लिए विपणन प्राधिकरण प्राप्त हुआ है। कंपनी को सुगमाडेक्स के लिए अपना पहला वैश्विक विपणन प्राधिकरण प्राप्त हुआ है और यह अनुमोदन कंपनी के जटिल जेनेरिक में विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे आसियान बाजार में इसकी पैठ बढ़ रही है, वीनस रेमेडीज ने एक बयान में कहा। सुगमाडेक्स एक चयनात्मक रिलैक्सेंट-बाइंडिंग एजेंट (SRBA) है जिसका उपयोग एनेस्थीसिया में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले दो मांसपेशी रिलैक्सेंट रोकुरोनियम और वेकुरोनियम द्वारा प्रेरित न्यूरोमस्कुलर ब्लॉकेड को तेजी से उलटने के लिए किया जाता है। पारंपरिक एजेंटों के विपरीत, सुगमाडेक्स इन दवाओं को सीधे समाहित और निष्क्रिय करता है, जिससे एनेस्थीसिया से तेज, सुरक्षित और अधिक पूर्वानुमानित रिकवरी मिलती है, जिससे ऑपरेशन के बाद श्वसन संबंधी जटिलताओं का जोखिम कम होता है। वैश्विक सुगमाडेक्स बाजार, जिसका मूल्य 2023 में लगभग 1.53 बिलियन अमरीकी डॉलर है, के 8.5 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2031 तक 2.89 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। वीनस रेमेडीज के अध्यक्ष ग्लोबल क्रिटिकल केयर ने कहा, फिलीपींस में उन्नत सर्जिकल देखभाल और उच्च-विकास वाले चिकित्सीय खंडों की मांग बढ़ रही है, जो इस अनुमोदन को विशेष रूप से प्रासंगिक बनाता है।

महामण्डलेश्वर पद पर सुशोभित

45 वें अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन 16 फरवरी 2025 महाकुंभ प्रयागराज में डॉ० जहान्वी जी द्वारा आयोजित किया गया। तक्षक पीठाधीश्वर महाराज जी, महामंडलेश्वर डॉक्टर बालयोगी अलखनाथ जी महाराज अवधूत, सिद्ध मठ योग अखाड़ा, गुरुग्राम ने अंतरराष्ट्रीय सद्गृहस्थ अखाड़ा में प्रथम मातृशक्ति डॉ मीनाक्षी शर्मा जी महाराज को महामंडलेश्वर की उपाधि से सम्मानित किया तथा पाशुपतास्त्र एवं सम्मान पत्र से विभूषित किया।

– महामण्डलेश्वर डॉ० सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मो० 9711034710.

आदित्यनाथ ने आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जन औषधि पहल की सराहना की

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन औषधि पहल की सराहना करते हुए इसे स्वस्थ भारत, समर्थ भारत के संकल्प को और मजबूत करने वाला बताया। उन्होंने 7 मार्च को मनाए जाने वाले जन औषधि दिवस पर जेनेरिक दवाओं के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा पहल की सराहना करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। सीएम ने कहा, जन औषधि दिवस की परिवर्तनकारी पहल पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं, जिसका उद्देश्य जनता को सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली और सुलभ दवाएं उपलब्ध कराना है! आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों की स्थापना स्वस्थ भारत, समर्थ भारत के संकल्प को और मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, ये केंद्र जीवन रक्षक और अन्य आवश्यक दवाइयाँ बाजार दरों से कम कीमत पर उपलब्ध कराते हैं, जिससे आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा सुरक्षा सुनिश्चित होती है और साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाया जाता है। हर साल 7 मार्च को इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए जन औषधि दिवस के रूप में मनाया जाता है।

ब्रांडेड के नाम पर नकली दवाइयां व कॉस्मेटिक का जखीरा बरामद

भदोही (उत्तर प्रदेश): ब्रांडेड के नाम पर नकली दवाइयां व कॉस्मेटिक का जखीरा बरामद हुआ है। यह कार्रवाई भक्तापुर चौरी मार्ग स्थित एक दुकान पर पुलिस टीम के साथ महाराष्ट्र की ब्रांड प्रोटेक्शन सर्विस की टीम ने रेड के दौरान की। दिल्ली की ब्रांड प्रोटेक्शन सर्विस की टीम को सूचना मिली कि जिले में नकली दवाइयां और कॉस्मेटिक बनाने व बेचने का काम चल रहा है। इसके चलते टीम ने जानकारी ली तो पता चला कि भगतापुर गांव की कॉस्टमेटिक की दुकान में नकली सामानों का रैपर इत्यादि तैयार कर उसे बेचा जा रहा है। इसके बाद पुलिस टीम के साथ जांच टीम ने दुकान पर दबिश दी। टीम ने दुकान के मालिक विकास कुमार निवासी भगतापुर के खिलाफ शिकायत दी। जांच टीम ने मौके से 3126 पीस फेफीक्विप बॉक्स, 1270 पीस फेवीकोट टेबलेट, फेफीक्विप बॉक्स रैपर 650 पीस बरामद किए। इनके अलावा भरा हुआ 1960 पीस हैंस रिमॉल्ड ग्रीन और खाली ब्लॉक्स 2780 पीस, झंडू बॉम 4634 पीस, खाली बोतल 2900 पीस के साथ बड़ी मात्रा में नकली दवाओं की रैपर और कॉस्टेमिक आइटम बरामद किए गए।

WHO announces new collaborating centre on artificial intelligence for health governance

Geneva: The World Health Organization (WHO) designated the Digital Ethics Centre at Delft University of Technology in the Netherlands as a WHO Collaborating Centre on artificial intelligence (AI) for health governance.

AI has the potential to re-shape health care, save lives and improve health and well-being. However, harnessing its benefits for good requires collaboration from stakeholders committed to robust governance, ethical safeguards, and evidence-based policies. The WHO Collaborating Centre designation recognizes the Digital Ethics Centre at Delft University of Technology's decades-long history of cutting-edge research on responsible innovation, and its leadership in incorporating ethical values into design requirements for digital technologies. This inauguration marks the continuation of a strong partnership between the Digital Ethics Centre and WHO with the two entities jointly organizing international consultations, workshops, and the development of normative guidance and training in the past. WHO is committed to helping Member States plan, govern, and adopt responsible AI technologies," said Dr Alain Labrique, director of Digital Health and Innovation at WHO. "We are witnessing remarkable progress, with AI poised to transform health systems and support individuals on their health journeys. To ensure these benefits reach everyone ethically, safely, and equitably, we rely on strong technical and academic partnerships that guide us in this rapidly evolving field.

The Collaborating Centre on AI for health governance will be instrumental in WHO's efforts to ensure the ethical and responsible use of AI for health by advancing research on priority topics and providing expert input for WHO's guidance development and policy-making. The Centre will serve as a hub for education and advocacy for science-driven research and facilitate knowledge-sharing and training through regional and country-level workshops. The fruit of two decades of research in digital ethics and responsible innovation, the Delft Digital Ethics Centre is one of the frontrunners in operationalizing ethical values into design requirements for digital technologies such as artificial intelligence," Professor Jeroen van den Hoven, scientific director at Delft Digital Ethics Centre noted.

The Responsible and Ethical AI for Healthcare Lab, a collaboration between Delft University of Technology and its partners, will provide valuable insight into the challenges involved in the successful implementation of WHO guidance in clinical practice. "The designation of the Digital Ethics Centre at Delft University of Technology as a WHO Collaborating Centre strengthens our collective ability to ensure AI serves public health equitably and responsibly.

Pharma News March 2025_Layout 2 3/11/2025 9:23 AM Page 5

Asia Pharma Expo boosts Bangladesh pharma industry

Mumbai: The 16th edition of Asia Pharma Expo (APE) 2025 successfully concluded at the Bangladesh-China Friendship Exhibition Centre, Purbachal, Dhaka, reinforcing its position as one of South Asia's premier exhibitions for the pharmaceutical manufacturing industry. The event catalyzed business expansion, innovation, and international collaborations, marking 23 years of driving pharmaceutical excellence.

Jointly organized by the Bangladesh Association of Pharmaceutical Industries (BAPI) & GPE EXPO PVT LTD, the event was supported by: Ministry of Health & Family Welfare, Export Promotion Bureau, Engineering Export Promotion Council of India (EEPC), Pharmaceuticals Export Promotion Council of India (Pharmexcil) and the Official TV Media Partner: Channel-I. This year's edition witnessed a remarkable turnout, with more than 750 exhibiting companies from more than 32 countries, showcasing cutting-edge pharmaceutical technology.

सीडीएससीओ ने सीआरओ के लिए ऑनलाइन पंजीकरण

नई दिल्ली: अगले महीने की शुरुआत से क्लिनिकल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (सीआरओ) का पंजीकरण अनिवार्य किए जाने के साथ ही, केंद्रीय औषधि नियामक ने सुगम पोर्टल के माध्यम से कंपनियों के ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा की व्यवस्था की है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने घोषणा की है कि सीआरओ के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अब कार्यात्मक है, और पंजीकरण के लिए आवेदन सुगम पोर्टल के माध्यम से इस उद्देश्य के लिए निर्धारित दस्तावेजों की सूची के साथ प्रस्तुत किए जाएंगे। नए उपयोगकर्ता पोर्टल पर जाकर साइन-अप कर सकते हैं और पंजीकरण उद्देश्यों को क्लिनिकल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के रूप में चुन सकते हैं, जिसके बाद उन्हें पंजीकरण फॉर्म भरना होगा। सीआरओ के ऑनलाइन पंजीकरण के लिए औषधि नियामक की उपयोगकर्ता पुस्तिका में कहा गया है कि आगे के संचार साझा की है। यह ध्यान देने योग्य है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सितंबर, 2024 में अंतिम अधिसूचना जारी की है, जिसमें नैदानिक अनुसंधान संगठनों को परिभाषित किया गया है और संगठनों के लिए नए औषधि और नैदानिक परीक्षण नियम, 2019 के तहत संचालन के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। संशोधित नियम 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। 19 सितंबर को अधिसूचित नए औषधि और नैदानिक परीक्षण (संशोधन) नियम, 2024, CRO को प्रायोजक या निकाय, वाणिज्यिक या शैक्षणिक या अन्य श्रेणी के रूप में परिभाषित करता है, जिसका स्वामित्व किसी व्यक्ति या संगठन के पास हो, जिसे किसी भी नाम से कानूनी इकाई का दर्जा प्राप्त हो, जिसे प्रायोजक लिखित रूप में नैदानिक परीक्षण या जैवउपलब्धता या जैवसमतुल्यता अध्ययन से संबंधित कुछ या सभी कार्यों, कर्तव्यों या दायित्वों को सौंप या हस्तांतरित

के लिए ईमेल आईडी सत्यापित की जाएगी और फिर सीडीएससीओ में सक्षम प्राधिकारी खाता अनुरोध की समीक्षा करेगा और तदनुसार अनुमोदन प्रदान करेगा। सीडीएससीओ द्वारा खाता स्वीकृत होने के बाद, आवेदक पोर्टल में लॉग इन कर सकते हैं। सुगम पोर्टल पर मौजूदा उपयोगकर्ता उपयोगकर्ता प्रोफाइल से अतिरिक्त भूमिका के लिए अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदक क्लिनिकल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के रूप में भूमिका का चयन कर सकते हैं और पूर्ण उपयोगकर्ता प्रोफाइल के साथ फॉर्म भर सकते हैं। CDSCO ने प्रक्रिया के हिस्से के रूप में CRO के लिए पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क के ऑनलाइन भुगतान के लिए एक विस्तृत उपयोगकर्ता पुस्तिका भी कर सकता है। सीआरओ पर एनडीसीटीआर में एक नया अध्याय वीए जोड़ते हुए, यह निर्धारित किया गया है कि कोई भी नैदानिक अनुसंधान संगठन इन नियमों के तहत केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण (सीएलए) द्वारा दिए गए पंजीकरण के बिना मानव विषयों में नई दवा या जांच नई दवा का कोई नैदानिक परीक्षण या जैवउपलब्धता या जैवतुल्यता अध्ययन नहीं करेगा। सीआरओ देश में संचालन के लिए नई अधिसूचना के माध्यम से एनडीसीटीआर में जोड़े गए नौवें अनुसूची के अनुसार, ऐसे अध्ययनों के संचालन के लिए पंजीकरण के लिए सीएलए के साथ आवेदन करेंगे, जिसमें 5 लाख रुपये का शुल्क, दस्तावेज और अन्य आवश्यक जानकारी शामिल है।

नशीली दवा की लत 'अर्ध महामारी' : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा की लत को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 'अर्ध महामारी' करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर अपराध है। अधिकारियों को ऐसे लोगों को गिरफ्तार करते समय कानूनी प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करना चाहिए। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव ने कहा कि ड्रग तस्करों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए, लेकिन यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता की कीमत पर न हो। न्यायालय ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत औषधीय दवाओं के कथित कब्जे के लिए 2023 में गिरफ्तार किए गए चार मेडिकल प्रतिनिधियों को जमानत देते हुए ये टिप्पणियां कीं। आरोपियों ने अपने आवास की तलाशी में प्रक्रियागत अनियमितताओं का हवाला देते हुए अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी। अदालत ने कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि किसी आरोपी की स्वतंत्रता बहुत कीमती अधिकार है। इसे कमजोर/मनमाने तरीके से प्रक्रिया के आधार पर नहीं छीना जा सकता। अदालत ने कहा कि नशीली दवाओं की तस्करी एक गंभीर अपराध है और नशीली दवाओं के तस्करों का खतरा पूरी दुनिया में व्याप्त है। नशीली दवाओं/मनोरोगी लत को एक अर्ध-महामारी के रूप में वर्णित करना गलत नहीं होगा। चारों आरोपियों ने दावा किया कि वे दवा कंपनियों के साथ मेडिकल प्रतिनिधि के रूप में काम करते थे।

विप्रो ने 'एआई सक्षम' अल्ट्रासाउंड प्रणाली लॉन्च की

बेंगलुरू: विप्रो जीई हेल्थकेयर ने एआई-सक्षम अल्ट्रासाउंड प्रणाली, वर्सांना प्रीमियर आर3 लॉन्च की है। कंपनी ने दावा किया है कि इससे क्लिनिकल दक्षता, सटीकता और कार्यप्रवाह स्वचालन में वृद्धि होगी। बताया गया कि पीएलआई फैक्ट्री में निर्मित वर्सांना प्रीमियर आर3 असाधारण छवि स्पष्टता, एआई-संचालित स्वचालन और सटीक निदान के लिए 23 जांचों के साथ संगतता प्रदान करेगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक चौतन्य सरवटे ने कहा कि विप्रो जीई हेल्थकेयर में हम एआई में प्रगति करना जारी रखते हैं।

PRODUCT LIST: **LEVORIDE-25 TABLET,** Levosulpiride 25mg, ALU-ALU, **LEXMOX-400 TABLET,** Moxifloxacin 400mg Film Coated, ALU-ALU, **LEXMOX EYE-EAR DROP ,** Moxifloxacin 0.5 % w/v, OUTER, **LEXMOX-D EYE-EAR DROP,** Moxifloxacin 5mg % w/v + Dexamethasone Sodium1.0 % + BKC 0.05mg, OUTER, **LEXNIM-P TABLET,** Nimesulide 100 mg+ PCM 325 mg, BLISTER, **LEXNIM-SP TABLET ,** Nimesulide 100mg + Serratiopeptidase 15mg + PCM 325mg, ALU-ALU, **LEXPERA DROP ,** PCM IP 100mg/ ml (With Dropper), OUTER, **LEXPERA-650 DT TABLET ,** PCM IP 650mg, BLISTER, **LEXPERA-M SUSP** ,Mefenamic acid 100mg + PCM 250mg/5ml Orange Flavour, OUTER, **LEXPERA-250 SUSP,** PCM 250mg Orange Flavour, PET BOTTLE, **MAXSEPT MOUTH WASH,** Chlorhexidine 2%,DOSSIER BOTTLE, **ORTLEX FORTE TABLET ,** L-Arginine 500mg (SR Form) + Chondroitin Sulphate Sodium 200mg + Collagen Peptides Type I 40mg + Sodium Hyaluronate 30mg + Vit C 12.5mg, ALU-ALU, **ORTLEX -AV TABLET ,** Collagen Peptide Type II 40mg + Unsaponifiable Avocado Soybean 300mg + Chondroitin 200mg + Tocotrienols 60mg Film Coated, ALU-ALU, **ORTLEX- GT TABLET,** Calcium Citrate 600mg + Chondroitin Sulphate Sodium 600 mg + Tocotrienols 60mg + VitK2-7 50mg + Vit.30 Mg + Undenatured Type2 Collagen Peptides 40mg + Magnesium 30mg + Cholecalciferol 800IU + Glucosamine Sulphate 750mg + Zinc Oxide 75mg, ALU-ALU, **ORTLEX-RT TABLET,** Rosehip Ext 250mg + Collagen Peptide 150mg + Sodium Hyaluronate 30mg + Vitamin C 33.30mg + Tocotrienols-60mg, ALU-ALU, **PACZYME SYRUP ,** Fungal Diastase (1:800) 50 mg+ Papain 30 mg SUGAR FREE, OUTER, **POVIBETA - MOUTH GARGLE ,** Povidone Iodine 2% w/v (Mint Flavour), PET BOTTLE, **ALOEBEAM - E - LOTION,** Aloe Ext 10.00% w/v + Vit E 0.50% w/v + Liquid Paraffin 10.00% w/v + Propylene Glycol 1.20% w/v + Glycerine 1.00% w/v + Honey 0.50% w/v + Tea Tree Oil 0.10% w/v + Allantoin 0.80% w/v + Olive Oil 0.20% w/v + Chalmogra Oil 0.50% w/v + Emulsifying Wax 2.50% w/v , PET Bottle + Outer, **ALOEBEAM SOAP ,** Tea Tree Oil + Aloe Vera Extract + Glycerine,Inner Pouch+Mono Carton, **COSTIQORT - S - LOTION ,** Clobetasol Propionate 0.05 % w/v + Salicylic Acid 3 % w/v, Nozzle Cap Bottle, **COSTIQORT - S - OINTMENT ,** Clobetasol Propionate 0.05% w/w + Salicylic acid 6.5% w/w, Lami Tube

-Sudhir Life Sciences (P) Ltd. Jabalpur. 9424417000, 7400717000, 8871307000.

सी-सेक्शन के बाद पांच महिलाएं हुई बेहोश; एनेस्थीसिया दवा के रिएक्शन का संदेह

रीवा: प्राप्त समाचार के अनुसार मध्य प्रदेश के रीवा में एक सरकारी अस्पताल में सी-सेक्शन के जरिए बच्चों को जन्म देने के बाद 20-25 आयु वर्ग की पांच महिलाएं बेहोशी की हालत में चली गईं, एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया। उन्होंने बताया कि श्याम शाह सरकारी मेडिकल कॉलेज से जुड़े सरकारी गांधी मेमोरियल अस्पताल में ये घटनाएँ सामने आईं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया, सी-सेक्शन के जरिए प्रसव के बाद महिलाएं बेहोशी की हालत में चली गईं, लेकिन हम उन्हें प्री-कोमा या कोमा में जाने से बचाने में कामयाब रहे।

इस परेशान करने वाली घटना के बाद उन्हें सामान्य वार्ड से आईसीयू में ले जाया गया। उनमें से चार को सामान्य स्थिति के बाद वापस सामान्य वार्ड में भेज दिया गया है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी आईसीयू में है। डॉ. मिश्रा ने बताया, इन महिलाओं को याददाश्त खोने की वजह का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सिजेरियन प्रक्रिया के दौरान उन्हें दी जाने वाली दवाओं और एनेस्थीसिया की खुराक की जांच की जा रही है। हमें लगता है कि यह बुपिवाकेन दवा की प्रतिक्रिया हो सकती है, जिसका इस्तेमाल स्पाइनल एनेस्थीसिया में किया जाता है। अस्पताल में इसका इस्तेमाल फिलहाल बंद कर दिया गया है और नमूने फार्माकोविजिलेंस के लिए कोलकाता भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि पांचों महिलाएं अब बेहतर स्थिति में हैं और विशेषज्ञों की एक टीम उनकी रिकवरी पर नजर रख रही है। संयोग से रीवा मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला का गृहनगर है, जो स्वास्थ्य विभाग संभालते हैं। मध्य प्रदेश के रीवा में एक सरकारी अस्पताल में सी-सेक्शन के जरिए बच्चों को जन्म देने के बाद 20-25 आयु वर्ग की पांच महिलाएं बेहोशी की हालत में चली गईं, एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया।

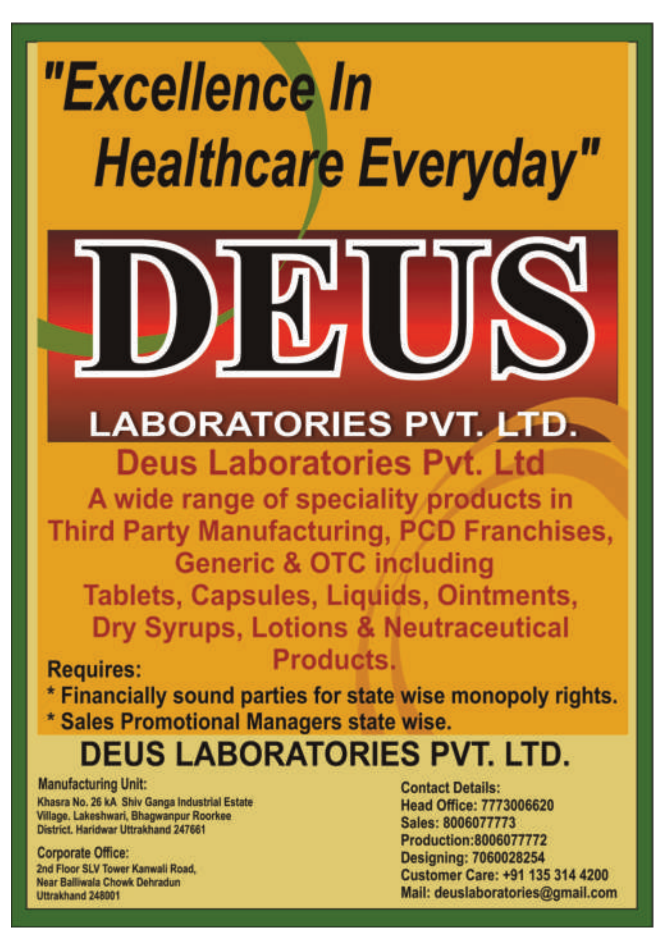

Pharma News March 2025_Layout 2 3/11/2025 9:23 AM Page 6

जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं

SHRI MUNAF BHAI JI	SURAT	10/03/1987	9173373700
DR. LALIT KUMAR JI	BULANDSHAHR	10/03/1988	9756484621
SHRI VIKRAM D. TEJWANI JI	JALGAON	11/03/1978	9422275387
SHRI NILESH BHALGHAT JI	PUNE	13/03/1977	9860361005
SHRI DINESH CHAND GARG JI	DHAULPUR	14/03/1973	9785166315
SHRI DILIP B. JAIN	NANDURBAR	14/03/1971	7972837088
SHRI SANJAY B. LATHIYA JI	SURAT	16/03/1980	9879655618
SHRI SANJAY AGRAWAL JI	JAIPUR	16/03/1970	8947897298
SHRI RAUNAK AGARWAL JI	AGRA	19/03/1991	9997173260
SHRI GAJANAND R. THORAT JI	NASHIK	19/03/1985	9657973951
SHRI SUNIL KUMAR BANSAL JI	AGRA	20/03/1968	9412652474
SHRI KAMAL SINGH BAGHEL JI	AGRA	21/03/1979	7983010302
SHRI ABHAY KUMAR A. SANCHETI JI	WARDHA	21/03/1982	9021043699
SHRI NARENDRA GATKINE JI	NAGPUR	21/03/1975	9405138902
SHRI ASHISH SHARMA JI	AGRA	22/03/1979	9837279162
SHRI MAHESH BHAI G. PATEL JI	BANASKANTHA	23/03/1956	9998960399
SHRI CHETAN VYAS JI	VADODARA	23/03/1966	9824073433
SHRI HARSHAL BHAREKAR JI	PUNE	23/03/1986	9503850155
DR. AMIT CHAUDHARY JI	BULANDSHAHR	23/03/1994	7895156670
DR. MAHESH SHARMA JI	BULANDSHAHR	25/03/1992	9759830704
SHRI M.K. MATH JI	BIJAPUR	26/03/1967	9448689295
SHRI PRSHANT CHANDEWAR JI	WARDHA	27/03/1975	9423605604
SHRI SACHIN MAHAJAN JI	JALGAON	27/03/1986	9604508080
SHRI ATUL JAIN JI	SONIPAT	31/03/1973	8146093465
SHRI SAVENDER SINGH JI	BULANDSHAHR	01/04/1966	9557912074
MOH. SADDAM HUSAIN JI	BULANDSHAHR	02/04/1994	8057764142
SHRI VIJAY RATHI JI	PUNE	03/04/1970	9890002088
SHRI HEMANT P. BENDALE JI	JALGAON	05/04/1968	9923484882
SHRI ANIL KUMAR GUPTA JI	AGRA	05/04/1968	9808323219
SHRI LAKHICHAND JAIN JI	JALGAON	05/04/1972	9823060465
SHRI DEEPAK BADKE JI	SATARA	05/04/1975	9923477763
SHRI MANOJ KUMAR MITTAL JI	AGRA	06/04/1975	9412331049
MOHD. KADIR SHEKH	PUNE	06/04/1975	8087930346
SHRI MANISH SAKODE JI	NAGPUR	06/04/1982	9326604835
SHRI ASHISH R. AGARWAL JI	GONDIA	06/04/1982	8552839533
MOHD. RAHUL KHAN	ALWAR	06/04/1999	7240300354
SHRI SANTOSH DEVIDAS TAMBE JI	PUNE	07/04/1977	9860414062
SHRI KISHOR SHARMA JI	PUNE	07/04/1980	8975046079
MOHD. IRFAN KHAN	ALWAR	07/04/1995	9001647086
SHRI SANDEEP BORA JI	NASHIK	08/04/1971	9923280219
SHRI TAMBE DEVIDAS JI	PUNE	08/04/1986	9860484048
SHRI SANDEEP BORA JI	NASHIK	08/04/1971	9923280219
SHRI BALKRISHNA B. SONAWANE JI	JALGAON	08/04/1975	9423915795
SHRI ABHAY K. GUGALE JI	PUNE	09/04/1974	9730449555
SHRI KISHOR KUMAR JI	AGRA	10/04/1971	9837063302

मार्च व अप्रैल माह के व्रत एवं त्यौहार

13.03.2025	होलिकादहन
14.03.2025	धुलैण्डी
21.03.2025	दिनरात बराबर
22.03.2025	जलदिवस
07.04.2025	विश्व स्वास्थ्य दिवस
08.04.2025	जलसंसाधन दिवस

फार्मा कंपनी ल्यूपिन ने यूएस में नई दवा लॉन्च की

मुंबई: फार्मा कंपनी ल्यूपिन ने यूएस में नई दवा लॉन्च की है। ल्यूपिन ने कंपनी के Abbreviated न्यू ड्रग एप्लिकेशन के लिए यूएस एफडीए से मंजूरी मिलने के बाद यूएस में Rivaronaban टैबलेट लॉन्च की है। Rivaronaban का इस्तेमाल कोरोनरी आर्टेरी डिजीज वाले रोगियों में मेजर कार्डियोवैस्कुलर घटनाओं के रिस्क को कम करने के लिए किया जाता है। कंपनी ने जानकारी दी थी कि कंपनी की दवा इप्रेट्रोपियम ब्रोमाइड नेजल सॉल्यूशन को यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से मंजूरी मिल गई है।

मरीज को कोमा में बताकर अस्पताल प्रशासन पर पैसे मांगने के आरोप

रतलाम (मध्य प्रदेश): मरीज को कोमा में बताकर अस्पताल प्रशासन पर पैसे मांगने के आरोप लगाए गए हैं। जिस मरीज को कोमा में बताया गया था, वो खुद चलकर अस्पताल से बाहर आ गया। इससे प्राइवेट अस्पताल के बाहर हडकंप मच गया। मरीज ने डॉक्टरों पर इलाज के लिए एक लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामला संज्ञान में आने पर स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। रतलाम के मोती नगर का निवासी बुंटी निनामा झगड़े में घायल हो गया था। उसे जीडी अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बुंटी निनामा को आधे कपड़ों में अस्पताल के बाहर खड़े देखा गया। उसकी कमर पर कोलोस्टॉमी बैग और नाक में नली लगी थी। उसने डॉक्टरों पर आरोप लगाया कि इलाज के लिए उससे 1 लाख रुपये की मांग की गई थी। बुंटी की पत्नी ने भी अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि हमें बताया गया कि मेरे पति कोमा में है। हमने 12 घंटे के भीतर 40 हजार रुपये खर्च कर दिए और वापस आई तो देखा कि पति खुद अस्पताल के बाहर खड़े थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एमएस सागर के अनुसार टीम गठित कर जांच के आदेश दिए गए हैं। वहीं, जीडी अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीज को आईसीयू में भर्ती किया था और बिल मात्र 8,000 रुपये था।

अमित शाह ने बेंगलुरु में विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल का किया उद्घाटन

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेंगलुरु के मराठाहल्ली में श्री कृष्ण सेवाश्रम ट्रस्ट द्वारा निर्मित श्री विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि यहां उद्घाटन किया गया विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल सस्ती स्वास्थ्य सेवा का नया केंद्र होगा। इस अस्पताल में 150 बेड हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत बेड गरीब वर्ग के लोगों के लिए आरक्षित हैं, जिनमें सीटी स्कैन, एमआरआई, डायलिसिस और अल्ट्रासाउंड जैसी मल्टीस्पेशलिटी सुविधाएं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज माधवाचार्य से संबंधित विश्व प्रसिद्ध उडुपी मठ इस विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन करके लोगों की सेवा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि कर्नाटक के मध्य भाग बेंगलुरु के दिल में गरीबों के लिए मुफ्त इलाज का यह आधुनिक केंद्र वर्षों तक लोगों की सेवा करेगा। विश्वेशतीर्थ मेमो. रियल अस्पताल के उद्घाटन के बाद शाह ने मठ से जुड़े सभी लोगों को बधाई भी दी। उन्होंने कहा, इसके लिए मैं मठ के सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं। आज 60 करोड़ रुपये की मदद से 2 एकड़ जमीन पर बने विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन हो रहा है। इसमें 150 बेड का मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल होगा जो किफायती स्वास्थ्य सेवा का केंद्र बनेगा। इस अस्पताल में 60 प्रतिशत बेड गरीबों के लिए आरक्षित किए गए हैं। क्रॉस सब्सिडी के साथ गरीब मरीजों की सेवा करने की इस परियोजना में सीटी स्कैन, एमआरआई, डायलिसिस, अल्ट्रासाउंड जैसी कई सुविधाएं शामिल की गई हैं। इसलिए एक ही छत के नीचे गरीब मरीजों को बहुत अच्छी सेवा दी जाएगी। ट्रस्ट के कल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि ट्रस्ट हमेशा गरीबों के कल्याण के लिए काम करता रहेगा। शाह ने कहा, श्री कृष्ण सेवा आश्रम ट्रस्ट ने हमेशा गरीबों के कल्याण के लिए काम किया है। इस ट्रस्ट की स्थापना श्रद्धेय स्वामी जी ने की थी और अब इसे उनके उत्तराधिकारी विश्व प्रसंग तीर्थ स्वामी जी ने आगे बढ़ाया है। मुझे विश्वास है कि यह ट्रस्ट हमेशा गरीबों के कल्याण के लिए काम करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेंगलुरु के मराठाहल्ली में श्री कृष्ण सेवाश्रम ट्रस्ट द्वारा निर्मित श्री विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि यहां उद्घाटन किया विश्वेशतीर्थ मेमोरियल अस्पताल सस्ती स्वास्थ्य सेवा का नया केंद्र होगा।

Karnataka to come out with first-ever NSQ Recall Policy to ensure speedy withdrawal of substandard medicines

Bengaluru: Karnataka government is now preparing its new NSQ (not of standard quality) Recall Policy to support the speedy withdrawal of substandard medicines from the market. This according to the state government is the first- of-its-kind in the country. This move by the government is in sync with the Drugs Consultative Committee (DCC), endorsing to bring in stringent norms to be enforced in taking action on the samples of drugs declared as spurious or NSQ. According to Karnataka health and family welfare minister Dinesh Gundu Rao, "We are pacing up to introduce a robust recall mechanism to remove sub-standard batches of medicines from the market immediately.

This would bring in the much-needed transparency and efficiency to strengthen our supply chain. A first step to this policy is the development of software with details of all retailers, wholesalers, manufacturers and their authorised representatives to trace the availability of the stocks of NSQs at every stage which would be implemented very soon. The timeline was not disclosed. In fact, there is a regular practice of surprise inspections by the state drugs control department, where the medicines are picked up at random from the pharmacy outlets, are tested at the Drugs Testing Labs (DTLs) at Bengaluru, Belgaum and Hubballi and then warnings are issued for recall and the companies will be penalised if they fail to comply with the government order. Noting that the state health department could withdraw such contaminated drugs from its hospitals, the lacunae is that there is no system in place as of now to recall them from private healthcare providers. In the absence of a central drug recall policy so far, which the DCC has now taken into cognisance we now seen the critical need of a dedicated NSQ policy to stall the circulation of such medicines, he said. If a batch of medicines is found spurious or NSQ, the manufacturing and distribution license should be suspended until corrective actions are taken. The incident of the West Bengal pharma firm Paschim Banga Pharmaceutical Ltd., supplying substandard Ringer's lactate resulting in maternal case fatalities in Ballari district in November 2024 stands as stark reality to the situation. It further makes it imminent for strong preventive measures to avoid such incidents going forward, stated Minister Rao. In fact, Karnataka government recently raised the issue to the Union health ministry for a system to share health alerts on drugs failing quality tests. This is in a bid to address the distribution of substandard injectable drugs that have failed sterility tests between January 1 to February 16, 2025, he added.

The need of the hour is to bring out NSQ Recall Policy in a time-bound manner. This will ensure strict penalties, including heavy fines and imprisonment, for those involved in the manufacture and distribution of spurious drugs. The issue of narcotics and psychotropic substances has been a challenge too. For this a special drive was conducted in the state where of the 488 pharmacy outlets investigated, show cause notices were issued to 400 stores, 231 licenses were suspended and three licenses were cancelled. With the threat of anti-microbial resistance looming large.

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाएं फिसड्डी

शहडोल: डा. प्रणय तिवारी के अनुसार मध्य प्रदेश शासन द्वारा उद्यानिकी फसलों हेतु कृषकों को भिन्न भिन्न प्रकार से लाभान्वित करने का प्रयास किया गया है या जनता के टैक्स की राशि को डकारने की योजना बनाई गई है। जब दिन रात अनवरत जनहित के मुद्दों को विचारने वालों को बात समझ में नहीं आ रही है तो टेनिस की तरह प्रयोग होने वाली वोट को राजनिति आम लोगों को कैसे समझ आयेगी?

डा प्रणय तिवारी

वैसे तो शहडोल जिले में संचालित उद्यानिकी योजनाएं बहुत सारी हैं पर शहडोल जिले की विभिन्न तहसीलों में ये योजनाओं का लाभ महिलाओं और लाभार्थियों तक केवल कागजों में ही पहुंच पा रहा है। बात बाकी रही वास्तविकता की तो सी एम हेल्पलाइन की शिकायतों से जानकारियां भी सामने आ जाती हैं। फल पौध रोपण कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य सघन पौध वृक्षों में विस्तार एवं फल उत्पादन में वृद्धि करना, कृषकों की आमदनी का स्थाई खगोल उत्पन्न कराना, रोजगार के नए अवसर उत्पन्न कराना, फलों से प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना। फलोद्यान लगाने वाले कृषकों को दो दिवसीय माह अप्रैल में दिया जाता है परंतु यह भी होता ही नहीं है केवल कालम पूर्ति और कम्प्यूटर के ऑनलाइन लूटपाट केंद्रों तक ही सीमित हो कर रह गया है। योजना का कार्य क्रम तीन वर्षों का होता है जिसमें रोपण पश्चात इकाई लागत का 40 प्रतिशत अनुदान 60:20:20 के अनुपात में तीन बार होता है। सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना, मसाला क्षेत्र विस्तार योजना,प्रदर्शनी मेरा एवं प्रचार,कृषक भ्रमण एवं प्रशिक्षण सब कुछ मानकों के अनुसार नहीं है।

मो. 9424353216

शरीर में पानी की कमी तो नहीं हो गई है? 10 लक्षणों की मदद से करें डिहाइड्रेशन टेस्ट

नई दिल्ली: प्रप्त समाचार के अनुसार हमारे शरीर का बड़ा हिस्सा पानी से बना है। यह न केवल शरीर के तापमान को कंट्रोल करता है, बल्कि पाचन, ब्लड सर्कुलेशन और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी अहम भूमिका निभाता है। इसलिए शरीर में पानी की कमी होना काफी खतरनाक हो सकता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। डिहाइड्रेशन के कारण शरीर को काफी गंभीर नुकसान हो सकते हैं। हालांकि, कुछ लक्षणों की मदद से आप इसे पहचानकर इसका इलाज कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि शरीर में पानी की कमी के संकेत क्या हैं और इसे कैसे पहचाना जा सकता है।

प्यास लगना: डिहाइड्रेशन का सबसे सामान्य और शुरुआती संकेत है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो दिमाग प्यास का संकेत देता है। यदि आपको बार-बार प्यास लग रही है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में पानी की कमी हो रही है।

मुंह सूखना: पानी की कमी होने पर मुंह और गले में सूखापन महसूस होता है। यह स्थिति तब होती है जब शरीर लार का बनाना कम कर देता है, जो मुंह को नम रखने के लिए जरूरी है। मुंह सूखने पर बोलने और निगलने में भी दिक्कत हो सकती है।

थकान और कमजोरी: पानी की कमी होने पर शरीर में एनर्जी लेवल गिर जाता है। इससे थकान, सुस्ती और कमजोरी महसूस होती है। अगर आप बिना किसी कारण के थका हुआ महसूस कर रहे हैं, तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है।

सिरदर्द: डिहाइड्रेशन के कारण सिरदर्द या माइग्रेन की समस्या हो सकती है। पानी की कमी से दिमाग में ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है, जिससे सिरदर्द होता है। अगर आपको बार-बार सिरदर्द हो रहा है, तो यह पानी की कमी का संकेत हो सकता है।

यूरिन का रंग गहरा होना: यूरिन का रंग शरीर में पानी की मात्रा को दिखाता है। अगर यूरिन का रंग गहरा पीला या भूरा है, तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत है। सामान्य रूप से, यूरिन का रंग हल्का पीला या साफ होना चाहिए।

त्वचा का रूखापन: पानी की कमी होने पर त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। त्वचा में इलास्टिसिटी कम हो जाती है और यह डिहाइड्रेशन का एक अहम लक्षण है। अगर आपकी स्किन रूखी और खिंची हुई लग रही है, तो यह पानी की कमी का संकेत हो सकता है।

चक्कर आना: डिहाइड्रेशन के कारण ब्लड प्रेशर कम हो जाता है, जिससे चक्कर आने की समस्या हो सकती है। यदि आपको बार-बार चक्कर आ रहे हैं, तो यह शरीर में पानी की कमी का संकेत हो सकता है।

मांसपेशियों में ऐंठन: पानी की कमी होने पर मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। यह स्थिति तब होती है, जब शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बिगड़ जाता है। इलेक्ट्रोलाइट्स, जैसे सोडियम और पोटेशियम, मांसपेशियों के सही फंक्शन के लिए जरूरी हैं।

कब्ज की समस्या: पानी की कमी होने पर पाचन तंत्र प्रभावित होता है, जिससे कब्ज की समस्या हो सकती है। पानी मल को नरम बनाने और आंतों में आसानी से मूव करने में मदद करता है। अगर आपको कब्ज की शिकायत है, तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है।

हार्ट रेट बढ़ना: डिहाइड्रेशन के कारण हार्ट बीट बढ़ सकती है। पानी की कमी से खून का वॉल्यूम कम हो जाता है, जिससे दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। अगर आपका दिल सामान्य से ज्यादा तेज धड़क रहा है, तो यह पानी की कमी का संकेत हो सकता है। तापमान को कंट्रोल करता है, बल्कि पाचन, ब्लड सर्कुलेशन और टॉक्सिन्स को बाहर निक. ालने में भी अहम भूमिका निभाता है।

अब डॉक्टरों को अपने क्लीनिक में क्यूआर-कोड आधारित कार्ड रखना होगा जरूरी

मुंबई: महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) ने एक नई पहल शुरू की, जिसके तहत उसके 1.4 लाख पंजीकृत सदस्य-डॉक्टरों को अपने क्लीनिक में क्यूआर-कोड-आधारित अपने डॉक्टर को जानें कार्ड डाउनलोड करके दिखाना होगा। एमएमसी, जो एक अर्ध-न्यायिक संगठन के रूप में कार्य करता है, एलोपैथिक चिकित्सा चिकित्सकों की देखरेख करता है और रोगी या परिवार की शिकायतों के बाद चिकित्सा लाइसेंस रद्द या निलंबित कर सकता है। काउंसिल ने डॉक्टरों को क्यूआर कोड की उपलब्धता के बारे में सूचित करते हुए एक ईमेल वितरित किया। यह सत्यापन प्रणाली रोगियों को अपने डॉक्टर के बारे में वर्तमान क्रेडेंशियल, लाइसेंस और विशेषज्ञता जैसे विवरणों तक पहुंचने में सक्षम बनाएगी। इन क्यूआर कोड का प्रदर्शन सभी पंजीकृत चिकित्सकों के लिए उनके क्लीनिक में अनिवार्य होगा। डॉ सुहास पिंगले के अनुसार, जिन्होंने पहले एमएमसी के निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में काम किया था, यह सरल क्यूआर प्रणाली अनाधिकृत चिकित्सा पद्धति का प्रभावी ढंग से मुकाबला करेगी। प्रशासक डॉ. वी. रुघवानी द्वारा भेजे गए एमएमसी पत्र में कहा गया है, महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बिना लाइसेंस और धोखाधड़ी वाली चिकित्सा पद्धतियों के कारण एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जो विशेष रूप से कमजोर और ग्रामीण क्षेत्रों में एक गंभीर खतरा पैदा करती है।

2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे से पीड़ित हो सकते हैं: प्रधानमंत्री

सिलवासा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वजन कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया और एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि 2050 तक भारत में लगभग 44 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। मोटापे को कई बीमारियों की जड़ बताते हुए मोदी ने लोगों से नियमित शारीरिक व्यायाम करके और खाद्य तेल की खपत को 10 प्रतिशत कम करके शरीर में अत्यधिक वसा की वजह से होने वाली पुरानी स्वास्थ्य स्थिति से लड़ने का आग्रह किया। वह दादरा और नगर हवेली के सिलवासा शहर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जो केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और गुजरात से सटे दमन और दीव का हिस्सा है। इस कार्यक्रम में, मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए 2,587 करोड़ रुपये की विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और भूमिपूजन किया। मोदी ने जोर देकर कहा, ष्हमारी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां आज हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा खतरा बन रही हैं। मोटापा उनमें से एक है क्योंकि यह कई बीमारियों की जड़ है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत में लगभग 44 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है और उतना ही डरावना भी है। उन्होंने कहा कि अगर रिपोर्ट के निष्कर्ष सही साबित होते हैं तो 2050 तक देश में हर तीन में से एक व्यक्ति मोटापे से पीड़ित हो सकता है। मोदी ने चेतावनी दी कि मोटापा लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होगा और सभी को इस स्थिति से उबरने की कोशिश करनी चाहिए। मोदी ने उपस्थित लोगों से कहा, मैंने पहले ही लोगों से अपील की है कि वे अपने खाद्य तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कमी करें। मैं चाहता हूं कि आप सभी यह संकल्प लें कि आप 10 प्रतिशत कम तेल खरीदेंगे। नियमित व्यायाम और साइकिल चलाने से भी आपको मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।ष प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को बताया कि उनकी सरकार सस्ती कीमतों पर दवाइयां उपलब्ध कराने के अपने प्रयास के तहत देश भर में 25,000 नए जन औषधि केंद्र खोलने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग और गरीब नागरिकों ने इन सरकारी सब्सिडी वाली दवा दुकानों से दवाइयां खरीदकर अब तक करीब 30,000 करोड़ रुपये बचाए हैं। प्रधानमंत्री ने स्थानीय निवासियों से केंद्र शासित प्रदेश को सिंगापुर की तर्ज पर विकसित क्षेत्र में बदलने के लिए सहयोग मांगा। प्रधानमंत्री ने कहा, एक समय था जब सिंगापुर मछुआरों का एक छोटा सा गांव था। लेकिन, अपने लोगों के दृढ़ संकल्प की बदौलत सिंगापुर आज वह बन पाया है जो वह है। अगर इस केंद्र शासित प्रदेश के लोग इसी तरह की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए तैयार हैं, तो मैं आपके प्रयास में आपके साथ खड़ा होने के लिए तैयार हूं।

स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज ने दुर्लभ रोगों के निदान में डॉक्टरों की मदद के लिए पोर्टल स्थापित किया

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी और प्रमुख जीनोमिक्स कंपनी स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज ने दुर्लभ बीमारियों के निदान में सुधार के लिए स्ट्रैंडओमिक्स पोर्टल लॉन्च किया है। नया ऑनलाइन पोर्टल चिकित्सकों को आनुवंशिक वेरिएंट की जानकारी तक त्वरित और आसान पहुंच प्रदान करता है, जिससे उन्हें प्रत्येक मामले के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण मिलता है। यह 28 फरवरी को प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले दुर्लभ रोग दिवस के अनुरूप है। इस वर्ष की थीम आप जितना सोच सकते हैं उससे कहीं अधिक है, जो रोगियों, देखभाल करने वालों, अधिवक्ताओं, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, नीति निर्माताओं और उद्योग के लिए समान रूप से कार्यवाही के आह्वान की आवश्यकता के इर्द-गिर्द विकसित की गई है। पोर्टल के अलावा, स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के रोगियों के लिए कम कीमत पर दुर्लभ रोग आनुवंशिक परीक्षण की पेशकश करेगा, जिससे ये महत्वपूर्ण परीक्षण अधिक सुलभ हो जाएंगे। स्ट्रैंडओमिक्स पोर्टल बेहतर निदान के लिए स्पष्ट और त्वरित आनुवंशिक जानकारी प्रदान करके डॉक्टरों की मदद करता है। यह डॉक्टरों को आनुवंशिक वेरिएंट के व्यापक सेट की स्वतंत्र रूप से समीक्षा करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, यह विशेषज्ञों के बीच बेहतर सहयोग के माध्यम से प्रसवपूर्व निदान में सुधार करता है।

हरे या काले, कौन-से रंग के अंगूर होते हैं सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद?

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार अंगूर छोटे जरूर होते हैं, लेकिन इनका असर बड़े-बड़े सुपरफूड्स से कम नहीं! कुछ लोग मीठे हरे अंगूर पसंद करते हैं, तो कुछ को काले अंगूर ज्यादा हेल्दी लगते हैं, लेकिन असली सवाल ये है कि सेहत के लिए कौन-से अंगूर ज्यादा फायदेमंद हैं? क्या काले अंगूर ज्यादा ताकतवर होते हैं या हरे अंगूर हल्के और हेल्दी होते हैं अगर आप भी इस कन्फ्यूजन में हैं, तो चिंता मत कीजिए! आज हम आपको दोनों के फायदों के बारे में बताएंगे और यह भी कि आपकी सेहत के हिसाब से कौन-से अंगूर सही रहेंगे।हरे अंगूर हल्के खट्टे-मीठे स्वाद के होते हैं और इनका सेवन शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है।

वजन कम करने में मददगार: हरे अंगूर में कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है। **पेट के लिए फायदेमंद:** इनमें नेचुरल एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और कब्ज की समस्या दूर करते हैं।

हार्ट के लिए अच्छे: हरे अंगूर में पोटैशियम अधिक होता है, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल में मदद करता है और हार्ट को हेल्दी रखता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए सही: इनमें शुगर की मात्रा कम होती है, जिससे डायबिटीज के मरीज भी इनका सेवन कर सकते हैं।

कौन-से अंगूर हैं ज्यादा फायदेमंद: अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या डायबिटीज के मरीज हैं, तो हरे अंगूर आपके लिए बेहतर हैं। अगर आपको एंटी-एजिंग, दिल की सेहत और इम्युनिटी मजबूत करनी है, तो काले अंगूर ज्यादा असरदार होंगे।

+ Veterinary Division +
GRAMPUS
MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES
Email-id: sales.grampus@gmail.com
Web Site: www.grampuslaboratories.com
1. AMITRAZ -5% & 12.5%
2. AMITRAZ -2% POUR ON
3. FLUMETHRIN -1% POUR-ON
4. CYPERMETHRIN -1%, 10%,12%, 15%
5. CYPERMETHRIN -10% + ETHION 8%
6. CYPERMETHRIN -1%, 10% POWDER
7. DELTAMETHRIN -1.25% , 1.75%, 2.5%
8. PERMETHRIN -2%, 5%, 10%, 11%
9. FIPRONIL -0.25%, 1%, 9.7%
ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES
6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE
FOR PCD & THIRD PARTY : 099960-19744. 78762-20222.
GRAMPUS LABORATORIES

Retail prices of 53 new drugs fixed

New Delhi. As per the news received Retail prices of 53 new medicines including pain and fever have been fixed. Companies will not be able to sell these new medicines at a higher price than this. The National Pharmaceutical Pricing Authority (NPPA) has issued a notification in this regard. The companies will be able to charge only GST on the fixed price of the 53 medicines whose prices have been fixed by the NPPA. If the companies have paid GST, then only they will be able to take it from the customers at the fixed price of the medicines. Let us tell you that most people need medicines for diseases like pain, fever, infection, diabetes. In such a situation, this decision of the government will give relief to the common people. It is worth noting that NPPA is a government regulatory agency that controls the prices of pharmaceutical medicines in India. The job of the authority is to monitor the prices of medicines and take corrective steps.

XENON Pharma Pvt. Ltd. (A WHO-GMP Certified Company)
Now Also Contact for 3rd Party Manufacturing & PCD DERMA COSMETICS Franchise Business
XENON MASLIFE XENON
For PCD Franchise & Distribution Marketing
★ Leaders in introducing 1st time in India products for franchise marketing
★ Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards.
★ We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles for Ethical Working and Better Promotion
★ Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range.
★ Also contact for 3rd party manufacturing and PCD franchise marketing of DERMA COSMETICS range.
www.xenonpharma.in info@xenonpharma.in | XENON Pharma Pvt. Ltd. | Contact : +91 9971340555

VANESHA HEALTHCARE & FORMULATION
THIRD PARTY MANUFACTURING "ALLOPATHY & AYURVEDA" COMPANY
Tablets Ointment Capsules Soap Juice Herbal Powder Veterinary Products Syrup & Dry Syrup
Ayurveda : A gift of nature to humanity
Village Gorakhnath,shahpur Road, Opposite Krishna Traders,post Office Nanakpur, Tehsil Kakla, Distt Haryana 134104
7017662045, 9317014346, 9816967304,9317014345, 9317262729, 9805807545
www.vaneshahealthcare.com vaneshahealthcare@gmail.com

बैडमिंटन में सुरेंद्र सिंह राणा ने जीता खिताब

हिमाचल प्रदेश की प्रतिष्ठित दवा कम्पनी Epsilon ग्रुप के मालिक, सुरेंद्र सिंह राणा जी, ने 2025 में बैडमिंटन डबल्स में राज्य स्तरीय नंबर 1 खिताब जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल खेल जगत में बल्कि व्यावसायिक समुदाय में भी उत्साह का संचार किया है।

सुरेंद्र सिंह राणा जी, जो अपने व्यवसायिक कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं, ने खेल के प्रति अपने जुनून को भी जीवित रखा है। उनकी यह जीत इस बात का प्रमाण है कि मेहनत और समर्पण से किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है। Epsilon ग्रुप के कर्मचारियों और हिमाचल प्रदेश के नागरिकों ने उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है।

इस सफलता के बाद सुरेंद्र सिंह राणा ने युवाओं को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं बल्कि मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। उनकी इस उपलब्धि से हिमाचल प्रदेश में बैडमिंटन के प्रति रुचि और समर्थन में वृद्धि होने की संभावना है।

Sun Pharma to expand onco-derma portfolio

Mumbai: Indian pharma major, Sun Pharmaceutical, is set to acquire Checkpoint Therapeutics, a US-based immunotherapy and targeted oncology company, for an upfront payment of up to $355 millionA key driver behind the deal is Checkpoint's UNLOXCYT (cocibelimab-ipdl), which has received approval from the US FDA for the treatment of adults with metastatic cutaneous squamous cell carcinoma (cSCC) or locally advanced cSCC who are not candidates for curative surgery or curative radiation.As per the media announcement, under the deal, Sun Pharma will make an upfront cash payment of $4.10 per share of common stock at the closing share price of the last business day prior to the announcement of the acquisition and the transaction is expected to be completed in the second calendar quarter of 2025.Advertisement Commenting on this development, Dilip Sanghvi, Chairman and Managing Director, Sun Pharma, said, "Combining UNLOXCYT, an FDA-approved anti-PD-L1 treatment for advanced cutaneous squamous cell carcinoma, with Sun Pharma's global presence means that patients with cSCC can soon have access to an important, new treatment option. This acquisition further strengthens our innovative portfolio in Onco-Derm therapies."James Oliviero, Chairman and Chief Executive Officer, Checkpoint, said, "We are excited to enter into this transaction with Sun Pharma.

New drug export rule a bitter pill for sector: Pharma body

New Delhi: The Pharmaceuticals Export Promotion Council has sought a review of a new rule for drug exports that requires a product registration certificate from the national regulatory agency of the importing country or approval from the Indian regulator compulsory for issuing a no-objection certificate for shipments. The amendment will significantly strain India's pharmaceutical export sector, potentially diverting trade to other nations with less stringent regulations and may lead to illicit and clandestine dealings, said Raja Bhanu, director-general of Pharmexcil, which works under the ministry of commerce & industry. The DCGI has updated the export NOC checklist in the wake of recent events such as the one involving a Mumbai-based company, which is facing a controversy over the export of alleged addictive opioid drugs to West African nations such as Ghana and Nigeria. In a letter to the Drugs Controller General of India (DCGI), the Pharmexcil chief has raised concerns over the additional condition for exports. "The Indian pharmaceutical industry is ready to work with Indian regulators in its efforts towards curtailing the unauthorised movement of psychotropic substances and will not shy away from the responsibility in curbing such practices," Bhanu wrote in the letter, dated March 7. However, he expressed "serious concerns" regarding the new rule. Currently, exports are allowed after the companies get NOCs from the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO), which is India's national regulatory body for cosmetics.

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.
Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)
New Formulations · NR · Neutraceutical, Cosmetic, Veterinary Products · Diabetic · Cardiac · Beta-lactum · Neuro · Psychiatric
Contact For Export, Manufacturing & Franchise
Approved Section
Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals
We have more than 5500 Approved Molecules
Welcome for small batches, Third Party Manufacturing, PCD & Export facility available.
Contact No. :- +91 72538 01212 , +91 72538 11212, +91 92580 45068
Email :- badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

महाकुंभ मेला केंद्रीय अस्पताल से उपकरण यूपी के विभिन्न जिलों में भेजे जाएंगे

लखनऊः प्राप्त समाचार के अनुसार महाकुंभ मेला केंद्रीय अस्पताल से चिकित्सा उपकरण उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भेजे जाएंगे, ताकि राज्य भर में मरीजों के लिए आधुनिक चिकित्सा सेवाएं बढ़ाई जा सकें। अधिकारी ने कहा कि ये उपकरण अब पूरे यूपी में मरीजों की देखभाल को बेहतर बनाएंगे। मेले के दौरान सात लाख से अधिक रोगियों के इलाज के साथ, इन उन्नत मशीनों को जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) के अनुरोध के आधार पर वितरित किया जाएगा, ताकि कुशल आवंटन सुनिश्चित हो सके। अतिरिक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा, महाकुंभ के दौरान परेड ग्राउंड में 100 बिस्तरों वाला हाई-टेक केंद्रीय अस्पताल स्थापित किया गया था, जिसमें विशेष आईसीयू, दंत चिकित्सा, हड्डी रोग, स्त्री रोग और बाल चिकित्सा देखभाल प्रदान की गई थी। अब, प्रयागराज आयुक्त से अनुमोदन के अधीन, अन्य जिलों को उनकी जरूरतों के आधार पर बिस्तरों सहित सभी चिकित्सा उपकरण वितरित करने की योजना है। महाकुंभ मेले के नोडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव दुबे ने कहा, 100 बिस्तरों वाले केंद्रीय अस्पताल के अलावा, दो 25 बिस्तरों वाले उप-केंद्रीय अस्पताल, आठ 20 बिस्तरों वाले सेक्टर अस्पताल, दो 20 बिस्तरों वाले संक्रामक रोग अस्पताल और 10 प्राथमिक चिकित्सा चौकियां भी मेले के दौरान चालू रहीं। उन्होंने कहा, इन सभी सुविधाओं में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को अब राज्य भर में मरीजों के लिए आधुनिक चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न जिलों में पहुंचाया जाएगा। महाकुंभ के दौरान केंद्रीय अस्पताल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-सक्षम प्रणालियों से लैस एक अत्याधुनिक 10 बिस्तरों वाला आईसीयू स्थापित किया गया था। मरीजों की स्थिति पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर डॉक्टरों को तुरंत सचेत करने के लिए आईसीयू में एआई-संचालित कैमरे लगाए गए थे। यह अत्याधुनिक सुविधा जल्द ही पूरे राज्य के अन्य अस्पतालों में भी शुरू की जाएगी।

Helax
We Present WHO-GMP manufactured formulation at lowest price
3rd Party Manufacturing
Specialization
Hormones · Cephalosprins · Pencillin · Non Betalactum Section · Ayurvedic / Siddha · Unani Drugs · Foods · Natraceuticals (FSSAI) Supplements
Super Specialization
INFERTILITY · NEPHROLOGY · UROLOGY · CARDIOVASCULAR · CENTRAL NERVOUS SYSTEM · ANTI DIABETES · MUSCULO SKELETAL · PSYCHO TROPIC · ANTIBIOTIC · ANTI-INFECTIVE · ALIMENTARY · ANALGESICS
"Supporting your healing hands." Helax
HELAX HEALTHCARE PRIVATE LIMITED
Mr. HARSH GUPTA 7417935356 www.helax.in

Matteo
Committed for healthier lives
Matteo Formulation Pvt. Ltd.
Contact for 3rd Party Manufacturing, Export & PCD Franchise
GMP & ISO 9001:2015 CERTIFIED
TIMELY DELIVERY
ATTRACTIVE PACKING
100% QUALITY ASSURANCE
SPECIALIZATION IN PSYCHOTROPIC & NEUROLOGY DRUG MANUFATURING
WE HAVE MORE THAN 1000 APPROVALS
TABLETS CAPSULES
ADDRESS- Matteo Formulation Pvt.Ltd. (GMP & ISO 9001:2015 Certified Company) Plot No. 51, Lakeshwari, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar (UK)-247661
M No. :- 9826075466
Website - www.matteoformulation.com
E-mail - matteoformulation@gmail.com matteoformulationbd@gmail.com

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए एमपी, प्रिंटर्स नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग